THE CHALLENGE INITIATIVE
tci
INDIA

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

फस्ट टाईम पैरेन्ट्स के गर्भनिरोधक व्यवहार को बेहतर बनाने वाली मुख्य रणनीतियॉ

JOHNS HOPKINS
BLOOMBERG SCHOOL of PUBLIC HEALTH
Bill & Melinda Gates Institute for Population and Reproductive Health

psi
India

उद्देश्य

इस टूल के माध्यम से शहरी आशाओं को कोच करने का प्रयास किया जा रहा है कि वे कैसे फस्ट टाईम पैरेन्ट्स (एफ.टी.पी.) के बीच नवीन गर्भनिरोधक विधियों के बारे में उचित जानकारी बढ़ाये और इसके उपयोग को और बेहतर करें।

प्रयोगकर्ता (जो इस टूल का उपयोग करेंगे)

- अपर निदेशक/संयुक्त निदेशक/मण्डलीय कार्यक्रम प्रबंधक
- मुख्य चिकित्सा अधिकारी
- मुख्य चिकित्सा अधिक्षक
- डिविजनल अर्बन हैल्थ कंन्सलटेन्ट
- नोडल अधिकारी शहरी स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम
- शहरी स्वास्थ्य समन्वयक/जिला कार्यक्रम प्रबंधक, एन.यू.एच.एम.
- प्रभारी चिकित्सा अधिकारी

पृष्ठभूमि

नेशनल फैमिली प्लानिंग हैल्थ सर्वे, (एन.एफ.एच.एस.–4, 15–16) इस बात का प्रमाण देता है कि 15–29 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं के बीच सबसे कम गर्भनिरोधक के उपयोग के दर को देखा गया है, विशेषकर एफ.टी.पी. के बीच गर्भनिरोधक का उपयोग सबसे कम है। यह देखा गया है कि परिवार नियोजन सेवाओं तक पहुँचने और लाभ उठाने के सम्बन्ध में 15–29 वर्ष की यह आयु वर्ग वाली विवाहित महिलायें विभिन्न चुनौतियों का सामना करती है।

प्रभाव का परिणाम

टी.सी.आई.एच.सी. प्रोजेक्ट ने अपने पांच शहरों (फिरोजाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज व सहारनपुर) में यह अनुभव किया कि जब शहरी आशा को कोच व मेन्टर किया जाता है यू.एच.आई.आर. को अपडेट करने के लिए, उम्र व पैरिटी (बच्चों की संख्या) के आधार पर महिलाओं की एक अलग लिस्ट तैयार करने के लिए तब वह ग्रह भ्रमण के दौरान युवा और कम पैरिटी वाली महिलाओं को प्राथमिकता दे पाती है और उनमें भी मुख्यतः फस्ट टाईम पैरेन्ट्स को

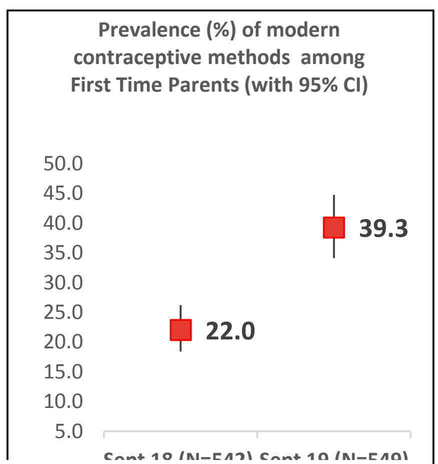

Figure 1: Findings from two-rounds of Population based survey conducted by TCIHC

प्राथमिकता दे पाती है व उन्हें परिवार नियोजन की सलाह एवं एफ.डी.एस./अन्तराल दिवस के दिन मिलने वाली सेवाओं से जोड़ पाती हैं। यह कोचिंग उन्हें परिवार नियोजन की आवश्यकता वाले एफ.टी.पी. की आसानी से पहचान करने और एफ.डी.एस. पर परिवार नियोजन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए परामर्श देने में सक्षम बनाती है।

आप परिवार में इतनी महत्वपूर्ण जगह रखती हैं और यह आपका निर्णय हैं जिन्होंने आपके बच्चों को उचित निर्णय लेने में मदद की है। परिवार नियोजन आपकी बहू और आपके पोते के स्वास्थ्य के साथ.साथ आपके परिवार की आर्थिक स्थिति के लिए महत्वपूर्ण है। सबसे अच्छी बात यह है कि आप अपने बेटे के परिवार के लिए सही निर्णय ले सकती हैं।

फिरोजाबाद के रामनगर की एक आशा लक्ष्मी ने एक युवती की सास को संवेदनशील बनाया, जो अपनी बहू को परिवार नियोजन नहीं अपनाने देना चाहती थी।

पांच ए.वाई.एस.आर.एच. वाले शहरो में एफ.टी.पी. के बीच जनसंख्या स्तर सर्वे के आंकड़े इस रणनीति को प्रमाणित करते हैं और नवीन गर्भनिरोधक प्रसार दर (एम.सी.पी.आर.) में 17 प्रतिशत की वृद्वि का संकेत भी देते हैं।

एफ.टी.पी. पद्वति को लागू करने हेतु मागदर्शनः

1. एफ.टी.पी. डेटा का विश्लेषण

सर्वप्रथम जनसंख्या स्तर सर्वे, एच.एम.आई.एस. और प्रोजेक्ट हैल्थ मैनेजमैन्ट सिस्टम के आंकड़ो का त्रिकोणीय विश्लेषण करना चाहिए तथा जिला स्तरीय, राज्य स्तरीय व परिवार नियोजन रिव्यू बैठको में एफ.टी.पी. डेटा का विश्लेषण पर चर्चा करनी चाहिए। परिवार नियोजन के आंकड़ो का विश्लेषण आयु व पैरिटी (बच्चों की संख्या) के आधार किया जाना चाहिए। महिलाओं की परिवार नियोजन की विधियों के चुनाव व आवश्यकता के आधार पर महिलाओं तक पहुंच बनाने की योजना बनानी चाहिए। एफ.टी.पी. डेटा को शहर स्तर की निगरानी बैठको जैसे परिवार नियोजन समीक्षा बैठक/एन.यू.एच.एम. समीक्षा बैठक में दिखाना व चर्चा करना बेहद महत्वपूर्ण है।

2. आशा की कोचिंग व मेन्टरिंग

आशा की कोचिंग व मेन्टरिंग एफ.टी.पी. के साथ कार्य करने की रणनीति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, ताकि एफ.टी.पी. को गर्भनिरोधक विधियों की सही जानकारी व उपयुक्त सेवा के साथ यू.पी.एच.सी. से जोड़ा जा सके।

आशा को कोचिंग देनी चाहिए–

क) आशा डायरी में जनसंख्या को अपडेट करना– यह एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, यू.एच.आई.आर. (आशा डायरी) के सैक्शन–2 में स्लम सर्वे को समय–समय पर अपडेट करना चाहिए ताकि आशा को यह पता चल सके कि उसे कितनी जनसंख्या को सेवा देनी है।

ख) प्राथमिकता के आधार पर एफ.टी.पी. की सूची बनाना– जब आशा अपने यू.एच.आई.आर. को अपडेट कर लेती है, उसके बाद यू.एच.आई.आर. के सैक्शन–8 जिसमें योग्य दम्पत्ति का ब्योरा होता है उसको अपडेट करे। इस सैक्शन से आशा कुल योग्य दम्पत्तियों में से एफ.टी.पी. की संख्या को अलग कर सकती है। उसके पश्चात् आयु के आधार पर यूज़र व नॉन यूज़र को अलग करके एक सूची बना सकती है जिससे उसको मदद मिलेगी की उसे परामर्श देने के लिए किसको प्राथमिकता देनी है।

ग) भ्रमण के दौरान एफ.टी.पी. को प्राथमिकता– योग्य दम्पत्तियों में से एफ.टी.पी. की सूची बना लेने से आशा को साफ तौर पर समझ आता है कि सूची में कौन से दम्पत्ति संभावित लाभार्थी है परिवार नियोजन के परिपेक्ष में व किस एफ.टी.पी. को बच्चों के बीच अन्तर रखने के लिए गर्भनिरोधक साधनों की अधिक आवश्यकता है। इस सूची को आंगनबाड़ी के साथ भी साझा किया जा सकता है ताकि बेहतर समन्वय हो। इसके अलावा यूज़र व नॉन यूज़र के आधार पर भी सूची बनायी जा सकती है तथा सुपरवाईजर के साथ साझा कर प्राथमिकता के आधार पर नॉन यूज़र को एफ.डी.एस. /अन्तराल दिवस में यू.पी.एच.सी. में भेजा जा सकता है तथा यूज़र की सूची के आधार पर साधन के अनुसार फॉलोअप विजिट व निरोध व पिल्स की सप्लाई की जा सकती है।

घ) आशा के काम से जुड़ी सरकारी योजनाओं का लाभ: ई.एस.बी. एक सरकारी योजना है, इसकी एक श्रेणी बच्चों के बीच अन्तर को बढ़ावा देती है। इस योजना के अनुसार यह आवश्यक है कि आशा परिवार नियोजन के लिए फस्ट टाईम पैरेन्ट्स को प्रेरित करें, इसीलिए इस योजना के लिए आशा को कोच करना बहुत जरूरी है, खासतौर पर फॉर्म को कैसे भरना है, कब क्लेम करना है, इस योजना के मापदंड क्या है व यह फॉर्म कहॉ जमा करना है।

ड़) फॉलोअप– दम्पत्ति चुने गर्भनिरोधक साधनों को इस्तेमाल करते रहे इसके लिए जरूरी है मान्य समय पर लाभार्थी का फॉलोअप आशा के द्वारा होता रहे।

3. परिवार नियोजन के लाभों पर प्रभावशाली व्यक्तियों (परिवार/समुदाय) का संवेदीकरण– आज भी बहुत से समुदायों में 20–22 साल की महिलाओं द्वारा परिवार नियोजन के साधनों[1]. का उपयोग प्रतिबंधित है। इसीलिए जरूरी है कि आशा दोनों

[1] सोर्सः सोशल एंड लॉजिस्टकल बैरियरस् टू द यूज़ ऑफ रिवरस्बल कान्ट्रासैप्टिव अमंग वुमेन इन अ रूरल इन्डिया विलेज https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC2740665/

पति व पत्नी को तथा परिवार के अन्य प्रभावशाली लोगों को बतायें कि मॉ और बच्चे के स्वास्थ्य के लिए परिवार नियोजन कितना लाभकारी है–

क) एफ.टी.पी. को अन्तराल विधियों से मिलने वाले लाभ को बताना चाहिए तथा कोई आई.ई.सी. हो तो उसका उपयोग करना चाहिए।

ख) समुदाय के प्रभावशाली लोगों को जैसे सास, नन्द, पति व साथ के अन्य लोगो को भी युवा मॉ द्वारा परिवार नियोजन के उपयोग के लाभ पर शिक्षित करना चाहिए।

ग) ऐसी बैठको का आयोजन करना चाहिए जिसमें नॉन यूजर, यूजर से मिले और खुद से परिवार नियोजन के बारे में चर्चा कर सके तथा यूजर से प्रेरणा ले सकें।

4. व्होल–साईट ओरियनटेशन– सेवा प्रदाता के पूर्वाग्रह को कम करने के लिए व नवीनतम चिकित्सा दिशानिर्देशों के बारे में पर्याप्त जानकारी देने व एफ.टी.पी. के लिए विशिष्ट आवश्यकताओं पर यू.पी.एच.सी. में काम करने वाले सभी कर्मचारियों का व्होल–साईट ओरियनटेशन करना महत्वपूर्ण है। साथ ही उन्हें यह भी बताना आवश्यक है कि एफ.टी.पी. को उनकी मर्ज़ी के आधार पर की परिवार नियोजन के साधन उपलब्ध कराने चाहिए व उनकी मर्ज़ी से साधन चुनने में मदद करनी चाहिए। एफ.टी.पी. की निजता व गोपनीयता का पूर्ण ख्याल रखना चाहिए ताकि यू.पी.एच.सी. में वे सहज महसूस कर सकें।

5. यू.पी.एच.सी. स्तर पर एफ.टी.पी. के लिए एफ.डी.एस. ⁄ अन्तराल दिवस सुनिश्चित करना– एक एफ.डी.एस. ⁄ अन्तराल दिवस गुणवत्ता पूर्ण सेवा को दर्शाता है, जिसका समय व दिन निश्चित हो व समुदाय में इसकी जानकारी व्याप्त हो। एफ.टी.पी. के बीच परिवार नियोजन की मांग को प्रदर्शित करने के लिए, सी.एम.ओ. कैलेण्डर के आधार पर एक दिन निश्चित कर सकते है जो एफ.टी.पी. के लिए स्पेशल एफ.डी.एस. ⁄ विशेष अन्तराल दिवस के रूप में जाना जा सकता है। इसी क्रम में आशा एफ.टी.पी. को इस निश्चित विशेष दिन व समय के बारे में जागरूक करें व बतायें कि यह विशेष दिन परिवार नियोजन की सेवाओं तक पहुॅच बनाने के लिए यू.पी.एच.सी. में केवल उन्हीं के लिए निश्चित किया गया है। स्पेशल एफ.डी.एस. ⁄ विशेष अन्तराल दिवस को उजागर करने के लिए, यू.पी.एच.सी. का स्टाफ काउन्सिलिंग कार्नर, परिवार नियोजन पर आई.ई.सी. सामग्री को प्रदर्शित कर सकते हैं। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एफ.टी.पी. की काउन्सिलिंग के दौरान गोपनीयता बनायी रखी जाये। इसी क्रम में यदि यह विशेष दिन की मॉग समुदाय (एफ.टी.पी.) के बीच उभरने लगे तब इस विशेष एफ.डी.एस. को बन्द करके नियमित साप्ताहिक एफ.डी.एस. में एफ.टी.पी. को सेवाएं प्रदान की जा सकती है।

एफ.डी.एस. के आयोजन के लिए देखे– https://tciurbanhealth.org/courses/india-services-supply/lessons/fixed-day-static-approach/

6. नये शहर में एफ.टी.पी. रणनीति का उद्घाटन– किसी स्वास्थ्य केन्द्र में जहॉ एफ.टी.पी. के लिए स्पेशल एफ.डी.एस./विशेष अन्तराल दिवस का आरम्भ किया जा रहा है वहॉ मुख्य चिकित्सा अधिकारी से इसका उद्घाटन करवायें इससे अन्य स्वास्थ केन्द्रों एवं मीडिया के ध्यान को आर्कषित किया जा सकता है तथा इससे कर्मचारियों का मनोबल भी बढ़ता है।

भूमिकाएँ व जिम्मेदारियॉ–

अपर निदेशक/संयुक्त निदेशक/ मण्डलीय कार्यक्रम प्रबंधक

- एन.यूएच.एम./परिवार नियोजन समीक्षा/मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक में एफ.टी.पी. को एजेंडा में शामिल करें।
- एन.यू.एच.एम./परिवार नियोजन समीक्षा/मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक में एफ.टी.पी. के लिए किये जा रहे कार्यो की प्रगति की समीक्षा करें।
- गर्भनिरोधक उपयोग को एफ.टी.पी. के बीच बेहतर बनाने के लिए इस टूल को मागदर्शन दस्तावेज के रूप में अन्य शहरो को संदर्भित करें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी

- सिटी कन्सलटेशन वर्कशॉप (सी.सी.डब्लू.) में भाग लें।
- डब्लू.एस.ओ. के आयोजन के लिए निर्देश जारी करें।
- एफ.टी.पी. के लिए एफ.डी.एस./अन्तराल दिवस नामित करने का निर्देश जारी करें।
- **जिले में सभी आवश्यक उपायों को ध्यान में रखकर एफ.टी.पी. के लिए** एफ.डी.एस./अन्तराल दिवस **की योजना बनाएं।**
- स्पेशल एफ.टी.पी. एफ.डी.एस./विशेष अन्तराल दिवस के परिणामों के मूल्यांकन के बाद, यू.पी.एच.सी. को निर्देश जारी करे कि विशेष एफ.डी.एस. को बन्द कर नियमित साप्ताहिक एफ.डी.एस. में ही एफ.टी.पी. को भी सेवाएं प्रदान की जायें।
- **सेवा के प्रावधान और सभी तरीकों पर परामर्श के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने का निर्देश जारी करें।**
- **यू.पी.एच.सी. की गुणवत्ता के लिए** डिसटिक क्वालिटी एशोरेन्स कमेटी (डी.क्यू.ए.सी.) का विजिट सुनिश्चित करें।
- एफ.टी.पी. **के लिए प्रत्येक** एफ.डी.एस./अन्तराल दिवस **की गुणवत्ता और आउटपुट की निगरानी करें।**

सीएमएस

- एफ.डी.एस./अन्तराल दिवस के लिए टीमों को सुनिश्चित करना।
- स्वास्थ्य केन्द्रो की गुणवत्ता का संचालन करना।

- सुनिश्चित करें कि सूचित विकल्प और विधि परामर्श दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया है।
- सुनिश्चित करें कि लाभार्थियों को उचित रूप से स्क्रीन किया गया है। यदि कोई लाभार्थी किसी विधि के लिए योग्य नहीं है तो यह सुनिश्चित किया जाये कि उसे दूसरे साधनों के लिए परामर्श दिया जा रहा है।

नोडल अधिकारी– शहरी स्वास्थ्य, परिवार नियोजन

- जिले में एफ.टी.पी. के लिए एफ.डी.एस./अन्तराल दिवस की योजना और आयोजन में अग्रणी भूमिका निभायें।
- सभी यू.पी.एच.सी. के लिए डब्लू.एस.ओ. के आयोजन में नेतृत्व करें।
- टीम की तैनाती और रसद सहित एफ.डी.एस./अन्तराल दिवस संचालन का प्रबंधन करें।
- सभी गुणवत्ता मापदंडों का समन्वय और निगरानी करना और जिला नेतृत्व और सुविधाओं के बीच एक इंटरफेस के रूप में काम करें।
- वस्तुओं और आपूर्ति की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करें।
- एफ.टी.पी. के लिए एफ.डी.एस./अन्तराल दिवस की निगरानी की गुणवत्ता और एकत्र किए गए डेटा की वैधता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करें।

प्रभारी चिकित्सा अधिकारी

- एफ.डी.एस./अन्तराल दिवस कैलेंडर विकसित करना।
- एफ.टी.पी. एफ.डी.एस./अन्तराल दिवस और पर्यवेक्षण सुविधा तत्परता के लिए आपूर्ति और वस्तुओं को सुनिश्चित करें।
- आशा को एफ.पी. जॉब.एड्स, आई.ई.सी. सामग्री व परिवार नियोजन की आपूर्ति प्रदान करें।
- एफ़.टी.पी. एफ.डी.एस./अन्तराल दिवस पर आशा को सूचित करें।
- आशाओं का समय पर भुगतान जारी करना।
- सुनिश्चित करें कि लाभार्थियो की उचित रूप से जांच की जाती है और स्टाफ नर्स सरकारी मानदंडों के अनुसार सूचित विकल्प परामर्श प्रदान करती हैं।
- यदि लाभार्थी अपनी पसंदीदा विधि के लिए योग्य नहीं है, तो उन्हें अन्य उपयुक्त गर्भनिरोधक विकल्पों पर परामर्श दें।
- यह सुनिश्चित करें कि इन्फैक्शन प्रिवेन्शन के सभी मानदंडो सहित उचित गुणवत्ता के साथ सेवाएं प्रदान की जाती है।

- एफ.डी.एस./अन्तराल दिवस सेवाओं की गुणवत्ता की निगरानी करें और एच.एम.आई.एस. में सही रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें।

आशा/महिला आरोग्य समिति, एन.जी.ओ., आउटरीच वर्कर

- गृह भ्रमण और समूह बैठकों के माध्यम से परिवार नियोजन के लिए जागरूकता करना।
- प्राथमिकता के आधार पर एफ.टी.पी. की सूची तैयार करें और प्रत्येक एफ.डी.एस./अन्तराल दिवस से पहले उन तक पहुंचें।
- युवा माताओं को परिवार नियोजन और विशिष्ट गर्भनिरोधक विधियों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए आई.ई.सी. सामग्रियों का उपयोग करें।
- लाभार्थियों के घर फॉलोअप विजिट करें।
- आशा एफ.टी.पी. को विशेष एफ.टी.पी. एफ.डी.एस./अन्तराल दिवस के बारे में जागरूक करें व परिवार नियोजन को अपनाने में सहायता करें।

निगरानी के मानक

- आशा द्वारा उसके क्षेत्र में कुल कितने एफ.टी.पी. है इसका पता लगाया जाये।
- आशा द्वारा कुल एफ.टी.पी. में से कितनी एफ.टी.पी. तक उसकी पहुंच हो पा रही है इसका पता लगाया जाना आवश्यक है।
- एफ.टी.पी. के लिए कुल एफ.डी.एस./अन्तराल दिवस की संख्या ।
- प्रत्येक स्वास्थ्य केन्द्र में एफ.टी.पी. द्वारा कुल कितने गर्भनिरोधक अपनाये गये।
- कुल व्होल साईट ओरियन्टेशन (डब्लू.एस.ओ.) की संख्या।
- यूजर द्वारा नॉन यूजर के लिए आयोजित बैठकों की संख्या।
- परिवार नियोजन के लाभों के बारे में जानकारी देने के लिए एफ.टी.पी. के साथ बैठकों की संख्या।
- स्पेशल एफ.डी.एस./विशेष अन्तराल दिवस को बन्द करने के बाद रूटीन सेवा के रूप में साप्ताहिक एफ.डी.एस. में पहुँचने वाले एफ.टी.पी. की संख्या।

लागत

एफ़.टी.पी. तक पहुंचने और उनके गर्भनिरोधक व्यवहार को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक लागत का उल्लेख नीचे उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजना पी.आई.पी. कोड के साथ आसान संदर्भ के लिए दिया गया है। उन्हें मौजूदा बजट लाइन आइटम के तहत कवर किया जा सकता है, लेकिन यदि नहीं, तो उन्हें अगले चक्र में पी.आई.पी. के माध्यम से शामिल किया जाना चाहिए। इसके अलावा फ्लेक्सी–पूल से कोई अतिरिक्त समर्थन भी मांगा जा सकता है।

कॉस्ट एलिमेन्ट्स/पी.आई.पी. बजट हैड	एफ.एम.आर. कोड
डिमान्ड जैनरेशन, स्ट्रैन्थनिंग सर्विस डिलीवरी	1.1.3.2.1; 3.2.1
आई.ई.सी., मिड मिडिया, मॉस मीडिया	11.6.1; 11.6.3; 11.6.4; 11.6.5; 11.6.6
इन्टर पर्सनल कम्युनिकेशन	U.11.3; 11.6.2
आवश्यक किट्स, सरजिकल इकयुपमेन्ट्स व सपलाईज	U.6.1.1 & U.6.1.2; 6.1.1.3.a से 6.1.1.3.f
प्रिन्टिंग ऑफ एफ.पी. मैन्युअल, गाईडलाईन्स	12.3.1 से 12.3.5
ट्रेनिंग व कैपासिटी बिल्डिंग, एडीशनल मैनपॉवर	U.8.1.8.1.2; U.9.5.1 से U.9.5.8; 3.1.2.5; 9.5.3.1; 9.5.3.1 से 9.9.3.27
पी.ओ.एल. फॉर फैमिली प्लानिंग/अन्य	2.2.1
बैक–ड्रॉप स्कीम	7.3
क्वालिटी एशोरेन्स	U.16.2.1; U 13.1.1 & U.13.2.1

सोर्सः एन.एच.एम. पी.आई.पी. गाईडलाईन, 2018–2019

नोट—ऊपर दी गई तालिका सांकेतिक है और सरकारी पी.आई.पी. में लागत को प्रदान करने के तरीके को दर्शाती है, इस प्रकार किसी विशेष कार्य से संबंधित लागत की तलाश के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है।

सस्टेनबिल्टी

एफ.टी.पी. के बीच परिवार नियोजन की मॉग को बनाये रखने के लिए जरूरी है कि स्पेशल एफ.डी.एस./विशेष अन्तराल दिवस को बन्द करने के बाद रूटीन सेवा के रूप में साप्ताहिक एफ.डी.एस. में एफ.टी.पी. को परिवार नियोजन की सेवाओं का लाभ उठाने के लिए जोड़ा जाये। ए.वाई.एस.आर.एच. एपरोच एफ.टी.पी. के लिए नियमित एफ.डी.एस. का अयोजन करके, स्वास्थ्य केन्द्र के सभी सेवा प्रदाताओं को सुनिश्चित करके और युवा एफ.टी.पी. को परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान करके सस्टेन किया जा सकता है। इसके अलावा, परिवार नियोजन सेवाओं के लिए एफ.टी.पी. के बीच बढ़ती मॉग इस एपरोच के सस्टेन होने का संकेत देगी।

उपलब्ध संसाधन

1. रेफर हाई इम्पैक्ट अपरोचेस: *https://tciurbanhealth.org/india-toolkit/*
2. रेफर फैसिलिटी रेडीनस चेकलिस्ट
3. रेफर क्वालिटी एश्योरेन्स पैरामीटरस फॉर फैमिली प्लानिंग *http://tripuranrhm.gov.in/QA/Guideline/OperationalGuidelinesonQA.pdf*
4. रेफर आशा इन्सेन्टिव स्कीम
5. रेफर इन्टर पर्सनल कम्युनिकेशन टूल्स *http://iecrmncha.in/node/102)*
6. रेफर मैथड स्पैस्फिक काउन्सिलिंग कार्डस
7. रेफर मैथड स्पैस्फिक फॉलोअप गाईडलाईन
8. रेफर सोशल एंड लाजिस्टिकल बैरियर टू द यूज ऑफ रिवरसिबल कान्ट्रासैप्शन अमंग वुमेन इन ए रूरल इन्डियन विपेज *https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC2740665/*

मुख्य शब्द: ए.वाई.एस.आर.एच., यू.एच.आई.आर., एफ.टी.पी., ग्राम सर्वेक्षण, योग्य दम्पत्ति, एम.डब्लू.आर.ए., ई.एस.बी., एफ.टी.पी.